University in News on 26 January 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लखनऊ विवि ने मारी बाजी

मतदाता जागरूकता प्रदर्शनी में लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम ने किया बेहतर प्रदर्शन। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

मतदाता जागरूकता प्रदर्शनी में लखनऊ विश्वविद्यालय को पहला स्थान

लखनऊ। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर बृहस्पतिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठा में हुए कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। मेंहदी प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय की शीवो कुमारी व शिवानी यादव को प्रथम, सिमरन को द्वितीय, शाम्भवी व महक को तृतीय पुरस्कार मिला।

पोस्टर प्रतियोगिता में लविवि के यशपाल को प्रथम, जीआईएसएम के प्रभात शुक्ला को द्वितीय, लविवि के दीपेन्द्र तथा बीबीडी की श्रुति को तृतीय पुरस्कार मिला। रंगोली में लविवि के फाइन आर्ट विभाग को प्रथम, आईटी कॉलेज को द्वितीय, एमबीपीजी को तृतीय पुरस्कार मिला। कैनवास में लविवि के गगन को प्रथम, नसरा को द्वितीय व दीपक को तृतीय पुरस्कार मिला। स्टॉल प्रतियोगिता में लविवि को प्रथम, अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम कॉलोनी को द्वितीय, दिव्यांग सशक्तीकरण विभाग को तृतीय पुरस्कार मिला। 23 जनवरी को चौक स्टेडियम में आयोजित काइट फ्लाइंग प्रतियोगिता में स्पीड काइट क्लब के इमरान अली को प्रथम, मुजीब काइट क्लब के ललित को द्वितीय, डूआरडाई क्लब के तौसीफ रजा को तृतीय पुरस्कार मिला।

प्राणि विज्ञान विभाग की शिक्षिका व शोधार्थी पेरिस में प्रस्तुत करेंगी शोधपत्र

लखनऊ। लविवि में प्राणि विज्ञान विभाग की शिक्षिका व शोधार्थी पेरिस में होने वाले छठे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत करेंगी। यह शोध पत्र पारंपरिक चि कि त सा , एथनोमेडिसिन और प्राकृतिक चिकित्सा पर विषय पर आधारित हैं। 20 से 22 जून के बीच होने वाले सम्मेलन में विभाग की शिक्षिका डॉ. कल्पना सिंह व शोधार्थी निकिता कटियार के शोध पत्र चयनित किए गए।

डॉ. कल्पना सिंह

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि डॉ. कल्पना सिंह का रिसर्च पेपर युवा महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य मापदंडों पर राग भैरवी का प्रभाव, प्राचीन राग चिकित्सा को आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के साथ जोड़ते हुए, भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रभावकारिता और सुरक्षा की पड़ताल करता है। वहीं निकिता कटियार का काम चूहों की स्थानिक स्मृति पर भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रभाव, पारंपरिक संगीत ज्ञान और आधुनिक तनाव संबंधी बीमारियों को एकीकृत करने पर केंद्रित है।

लविवि : भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा में कई विद्यार्थी चयनित

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से आयोजित भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा में लविवि, सांख्यिकी विभाग के पांच छात्रों ने सफलता हासिल की है।

यूपीएससी आईएसएस परिणाम में कुल 33 उम्मीदवारों का चयन किया गया है, उसमें से कई लविवि के छात्र व छात्राएं हैं। चयनित होने वाले विद्यार्थियों में अग्रिमा रस्तोगी की रैंक 4, नयन दीप गुप्ता की रैंक 15, सौम्या मिश्रा की रैंक 17, अंकित यादव की रैंक 25 व रेखा गुप्ता की रैंक 26 है। इन सभी को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुभकामनाएं दी हैं।

बीबीएयू की जाह्नवी का भी हुआ चयन

लखनऊ। बीबीएयू की छात्रा रहीं जाह्नवी पटेल ने भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा में द्वितीय रैंक प्राप्त की है। विवि के कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार ने बताया कि विवि के सांख्यिकी विभाग में साल 2020 में जाह्नवी ने एमएससी की डिग्री ली थी। छात्रा की इस उपलब्धि पर विभाग व विवि का सम्मान बढ़ा है। (संवाद)

रुचि सिंह का डिप्टी जेलर पद पर चयन

लखनऊ। अवध कॉलेजिएट स्कूल की छात्रा रहीं रुचि सिंह का चयन पीसीएस मेंडिप्टी जेलर पद पर हुआ है। कॉलेज प्रबंधक सर्वजीत सिंह ने उन्नाव निवासी रुचि सिंह को सम्मानित किया, इस दौरान उन्होंने कहा कि छात्रा ने दसवीं और 12वीं की परीक्षा में भी कॉलेज में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। उसने अपनी कड़ी मेहनत से पीसीएस में सफलता हासिल कर डिप्टी जेलर के पद पर चयन पाया। (संवाद)

NBT PAGE 2

भारत लैब की मदद से रिडिफ्यूजन और एलयू के सर्वे की रिपोर्ट

62% लोग रखते हैं सकारात्मक सोच

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

आशावादी होने का क्या मतलब है? 2024 में आशावाद का अर्थव्यवस्था और व्यापार पर क्या असर होगा। ऐसे ही कई सवालों को लेकर रिडिफ्यूजन और एलयू ने भारत लैब की मदद से सर्वे करवाया है। रिपोर्ट के अनुसार देश के 62 प्रतिशत लोगों ने 2024 को लेकर सकारात्मक सोच दिखाई। इसका श्रेय राष्ट्रीय प्रगति, प्रौद्योगिकी उन्नति और आर्थिक विकास को दिया। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और रिडिफ्यूजन के एमडी डॉ. संदीप गोयल ने गुरुवार को मुंबई में रिपोर्ट रखते हुए विस्तार से जानकारी दी।

एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय के मुताबिक सर्वे में स्टूडेंट्स, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों, उद्यमियों और गृहिणियों को शामिल किया गया। दिसंबर 2023 के अंतिम सप्ताह से जनवरी 2024 के पहले सप्ताह तक हुए सर्वे में 1565 लोगों से बात की गइर। इसमें आधे से अधिक लोगों ने देश की आर्थिक वृद्धि के अनुसार अपने व्यक्तिगत विकास की बात कही। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीकी प्रगति आकर्षण और आशावाद का केंद्र बन चुकी है। हालांकि व्यक्तिगत जीवन में स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और युद्ध को वैश्विक चिंताओं के रूप में सामने आया है।

एआई और तकनीकी प्रगति से बेहतर भविष्य की जागी उम्मीद

सर्वे की मुख्य बातें

- 62% भारतीय देश और अपने भविष्य को लेकर सकारात्मक हैं।
- 76% के आशावाद का मुख्य स्रोत अच्छे करियर और व्यक्तिगत जीवन में सकारात्मक माहौल है।
- 35% लोग संतुलित सोच रखते हैं।
- 12% देशवासी अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक हैं।
- 42.1% मानते हैं कि 2024 में करियर बेहतर हो सकता है।
- 14.5% बड़े शहर या दूसरे देश में जाने की योजना बना रहे हैं।

सबसे बड़ा डर

- 44.4% -स्वास्थ्य एवं सुरक्षा
- 20.75% साथियों से पीछड़ना
- 18.75% जोखिम वाले निवेश
- 16.7% अन्य

LU में सुरक्षा प्रहरी के बेटे ने वहीं से पढ़कर ISS क्रैक किया

भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 33 में एलयू के 5 विद्यार्थी

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के जरिए आयोजित भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) परीक्षा में एलयू के सांख्यिकी विभाग के 5 स्टूडेंट्स ने सफलता हासिल की है। यूपी राज्य के मात्र 33 लोग ही परीक्षा में सफलता हासिल कर सके हैं। इनमें से नहीं 25वीं रैंक हासिल करने वाले अंकित के पिता राजेंद्र सिंह सहारनपुर जनपद के रोहन खेड़ा गांव में सुरक्षा प्रहरी हैं। अंकित का कहना है कि हमेशा से पिता का सिर गर्व से ऊंचा करने का सपना देखा था। सफलता के लिए लगातार मेहनत करते रहे। इस दौरान सोशल मीडिया और मोबाइल से दूरी बनाए रखी। पिता से अधिकारी बनने का वादा किया था, जिसे पूरा करने के लिए यहां पर पूरा ध्यान रखा। मन निर्धारित होने पर सफलताओं का रास्ता खोले थे।

वहीं प्रो.आलोक कुमार राय का कहना है कि विज्ञानविभाग में स्टूडेंट का लगातार मार्गदर्शन और हर संभव मदद की जाती है। इसी का नतीजा है स्टूडेंट्स लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं डा.कल्पना सिंह ने कहा कि भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा कठिन तम होती है। यूपीएससी आईएसएस में पूरे देश से कुल 33 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इसमें से अकेले राज्य के 5 स्टूडेंट्स का चयन होना अपने आप में उपलब्धि है। विशेष बात ही अंकित राजेंद्र सिंह अंतिम रैंक पाने वाले हैं। इसके अलावा अग्रिमा रस्तोगी की रैंक 4, नयन दीप गुप्ता की रैंक 15, सौम्या मिश्रा की रैंक 17, अंकित यादव की रैंक 25 व रेखा गुप्ता की रैंक 26 है। इन सभी को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुभकामनाएं दी हैं।

हमेशा लक्ष्य पर रही नजर

एलयू से 2022 में एमएससी सांख्यिकी की थी। आईएसएस में 25वें रैंक मिली है। पिता सुरेश कुमार बताते हैं कि मैं तो केवल अधिकार में सफलता मिली है। एलयूसीएस के सेमर पर अधिक फोकस करना चाहिए। कठिनाइ लिखने का शौक था। लेकिन स्टडी से सफलता मिली है। युवाओं को रुचि के अनुसार ही काम करना चाहिए। -अंकित यादव

सेल्फ स्टडी से सफलता

आईएसएस में रैंक मिली आई है। एलयू से 2021 सांख्यिकी से एमएससी के बाद 2023 में नेट और नेट दोनों क्वालिफ किए। शुरू से ही सफलतापूर्वक लक्ष्य में जाने की ठान रखी थी। रोज ही आईएसएस की तैयारी करती थी। केवल स्टडी और पढ़ाई करना पढ़ाई से सफलता मिली। बेहतर नतीजे के लिए पढ़ाई के साथ ही युवाओं को अन्य गतिविधियों में भी शामिल होना चाहिए। -अग्रिमा रस्तोगी

कविताएं लिखने का शौक

आईएसएस में 12 रैंक हासिल की है। एलयू से सांख्यिकी से एमएससी के बाद जेआरएफ पास किया था। जॉइनर में एलयू में बेस्टपी का पद पर 6 महीनेसे के लिए लगातार पढ़ाई जारी है। नॉट्स बनाकर पढ़ाई के साथ ही रिवेजन करना भी जरूरी है। कविताएं लिखने और सुनना पसंद है। बनाव होने पर कविताएं लिखकर और सुनकर हल्का महसूस करती हूं। -नयनदीप गुप्ता

एलासिकल म्यूजिक पसंद

आईएसएस में 17वें रैंक आई है। एलयू से 2019 में एमएससी (सांख्यिकी) किया था। रोज कॉलेज जाने के बाद एलयू से ही पीएचडी कर रही हूं। अक्सरकाल से टॉप किया पेपर-1 और 2 को तैयारी करती रहीं। क्लासिकल म्यूजिक अच्छा लगता है और लगता है पर कोई सुनाई दूं। पढ़ाकों से ये ही जॉब का संदेश भी किया है। -दीप्ति मिश्रा

टाइम टेबल बनाकर पढ़ें

आईएसएस में 25वीं रैंक हासिल की है। एलयू से सांख्यिकी से एमएससी किया था। रोज कॉलेज जाने के बाद एलयू से ही पीएचडी कर रही हूं। अक्सरकाल से एमएससी नहीं वहीं। टाइम टेबल बनाकर नियमित पढ़ाई और प्रेक्टिकल्स से किया गया प्रयास कभी बेकार नहीं जाता है। आईएसएस की तैयारी में जिसे जरूरी है। -रेखा गुप्ता

किसान की बेटी बनी डिप्टी जेलर, मिला सम्मान

रुचि सिंह को सम्मानित किया गया।

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ: अवध कॉलेजिएट स्कूल की छात्रा रुचि सिंह को पुरस्कार कॉलेज प्रबंधक ने सोमवार नगर के रोहन खेड़ा स्थाइ में मुख्य मालाओं और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। कॉलेज प्रबंधक सर्वजीत सिंह ने बताया कि रुचि उन्नाव के ग्राम रिसन खेड़ा की रहने वाली हैं और उनके पिता कैलेश सिंह एक किसान हैं। उन्होंने बेसिक प्रथम में यूपीपीसीएस की परीक्षा में सफलता हासिल की और डिप्टी जेलर पद पर चयनित हुई। प्रबंध निदेशक जसिंह चौहान ने बताया कि रुचि ने 10वीं और 12वीं की परीक्षा में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। रुचि ने कॉलेज में पढ़ाई के दौरान स्टूडेंट्स के बाद ही मेहनत से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की, सफलता आपके आगे कदम चूमेगी। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवारजनों और शिक्षकों को दिया। -नवनीत गुप्ता

ISS में बीबीएयू की पूर्व छात्रा जाह्नवी की दूसरी रैंक

■ एनबीटी स्टा. लखनऊ: बीबीएयू की पूर्व छात्रा जाह्नवी पटेल ने भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा-2023 में दूसरी रैंक हासिल की है। बीबीएयू से वाली जाह्नवी का कहना है कि हमेशा से उनका लक्ष्य आईएसएस बनने का था। टाइम टेबल बनाकर लक्ष्यकार पढ़ाई करने से सफलता मिली। तैयारी कर रही युवाओं के लिए सबसे कि नोट्स बनाकर पढ़ने के साथ ही रिवेजन अवश्य करना चाहिए। बीबीएयू बीबी आचार्य संजय सिंह ने सफलता पर जाह्नवी को शुभकामनाएं दी हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

एआई व तकनीक को लेकर 62% भारतीय सकारात्मक

लविवि की भारत लैब की सर्वे रिपोर्ट में किया गया दावा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) और तकनीकी प्रगति आकर्षण और आशावाद के निर्माण का केंद्र बन गई है। लोग प्रौद्योगिकी को भविष्य की संभावनाओं को सक्षम करने वाले आधार के रूप में देखते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. आलोक कुमार राय और रिडिफ्यूजन मुंबई के अध्यक्ष व एमडी डॉ. संदीप गोयल की सर्वेक्षण रिपोर्ट में इसका दावा किया गया है।

विवि की भारत लैब में हुए सर्वे की रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आए हैं कि आबादी का बड़ा हिस्सा देश और अपने भविष्य को लेकर आशावादी नजरिया रखता है। ऐसे लोगों की संख्या करीबन 62 फीसदी है। 1565 लोगों से बातचीत के आधार पर तैयार सर्वे रिपोर्ट में टेक्नोलॉजी को लेकर पुरुषों से अधिक महिलाओं में उत्साह होने की बात कही गई है। रिपोर्ट की मानें तो 57.8 प्रतिशत भारतीय टेक्नोलॉजी और गैजेट्स को लेकर उत्साहित हैं। इसमें महिलाओं की संख्या 66.4 और पुरुषों की संख्या 33.5 फीसदी है। रिपोर्ट के लिए दिसंबर के अंतिम हफ्ते से लेकर जनवरी के प्रथम सप्ताह तक हुए सर्वे में हर उम्र व अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले व्यक्तियों को शामिल किया गया है।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया की भारत के 60 फीसदी से ज्यादा लोग देश और अपने भविष्य को लेकर सकारात्मक हैं। जबकि 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं में टेक्नोलॉजी को लेकर गजब का उत्साह देखा गया। इसी तरह 2024 को लेकर भारत के लोगों की चाहतें, उम्मीदें, नजरिया, तौर-तरीके और बाजार के लिए क्या सोच रखते हैं, इन विषयों पर भारत लैब ने '2024 में भारत कितना आशावादी है?' नामक एक सर्वे रिपोर्ट पेश की है। इसे एलयू के कुलपति द्वारा जारी किया गया है।

टेक्नोलॉजी को लेकर पुरुषों से अधिक महिलाओं में उत्साह

सर्वे से निकलकर आईं मुख्य बातें

- देश और अपने भविष्य को लेकर 62 फीसदी भारतीय सकारात्मक हैं।
- 76 प्रतिशत भारतीयों के आशावाद का मुख्य स्रोत कैरियर की अच्छी संभावनाओं और व्यक्तिगत जीवन में सकारात्मक माहौल है।
- 2024 को लेकर 35 फीसदी देशवासी संतुलित सोच रखते हैं।
- देश की अर्थव्यवस्था से जुड़े कारकों की मजबूती से 12 प्रतिशत देशवासी सकारात्मक हैं।
- 42.1 फीसदी भारतीय मानते हैं कि 2024 में उनका कॅरिअर बेहतर हो सकता है।
- 14.5 प्रतिशत नागरिकों की बड़े शहर या दूसरे देश में जाकर रहने की योजना है।

2024 को लेकर सबसे बड़ा डर (% में)

- स्वास्थ्य एवं सुरक्षा- 44.4
- साथियों से पीछे रह जाने का- 20.75
- जोखिम वाले निवेश के फैसले से- 18.75
- अन्य- 16.7

2024 के वैश्विक डर (% में)

- जलवायु परिवर्तन-37.7
- विश्व युद्ध- 26.72
- चुनिंदा व्यक्तियों के पास धन इकट्ठा- 11.9
- मंदी- 11.9
- छात्रों को जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा डर-37.7

कंपनियों के मालिकों का डर (% में)

- जोखिम वाले निवेश का फैसला-28
- साथियों से पीछे छूट जाना- 11.77

सांख्यिकी सेवा परीक्षा में चमके लवि के होनहार

पांच मेधावियों को मिली सफलता अग्रिमा रस्तोगी को चौथी रैंक, अंकित यादव 25वीं रैंक पर

जासं, लखनऊ : संघ लोक सेवा आयोग की ओर से बुधवार देर रात भारतीय सांख्यिकी सेवा (आइएसएस) के परिणाम जारी कर दिए गए। यूपीपीएससी की तरह इस परीक्षा में भी लखनऊ विश्वविद्यालय के पांच होनहारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सफलता हासिल की है। इनमें अग्रिमा रस्तोगी ने अखिल भारतीय स्तर पर चौथी रैंक, नयन दीप गुप्ता ने 15वीं, सौम्या मिश्रा ने 17वीं, अंकित यादव 25वीं और रेखा गुप्ता को 26वीं रैंक मिली है। अंकित के पिता सुरेश यादव लवि में सुरक्षा प्रहरी हैं। यूपीएससी आइएसएस परिणाम में कुल 33 उम्मीदवारों का चयन किया गया है। इनमें से लवि के पांच मेधावी भी शामिल हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह उपलब्धि लवि की प्रतिष्ठा को बढ़ाती है। साथ ही सांख्यिकीय सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के इच्छुक वर्तमान और भविष्य के छात्रों के लिए प्रेरणा के रूप में भी काम करती है।

सिलेबस को विभागों में बांट कर तैयारी की

सीएमएस चौका से 12वीं करने के बाद लवि से बी.एससी और एम.एससी किया। फिर 2021 में पहली बार परीक्षा दी, लेकिन कोविड की वजह से तैयारी नहीं कर पाई थी। 2022 की परीक्षा में भी कमी रह गई। 2023 में तैयारी के लिए अपने सिलेबस को भागों में बांटा। हर एक पर फोकस किया। अपनी कमियों को दूर कर बेस्ट दिया। अब चौथी रैंक के साथ सफलता मिली। -अग्रिमा रस्तोगी

सफलता के लिए जारी रखा प्रयास

क्रिश्चियन डिग्री कालेज से बी.एससी और 2018 में लवि से एम.एससी किया। 2019 में पहली बार यूपीएससी की परीक्षा दी। सफलता नहीं मिली। कोशिश जारी रखी। अंग्रेजी कमजोर थी, इसलिए चौथे प्रयास में उसे मजबूत किया। 15वीं रैंक के साथ सफल हुआ। यही लक्ष्य था। अभी लवि से पीएच.डी कर रहा हूं। -नयन दीप गुप्ता

रिवीजन पर किया फोकस

सेंट जोसेफ कालेज राजाजीपुरम से पढ़ने के बाद नवयुग कन्या महाविद्यालय से फिजिक्स, स्टैटिस्टिक्स और मैथ्स विषय से बी.एससी किया। लवि से 2018 में एम.एससी के साथ यूपीएससी की तैयारी शुरू की। कोचिंग की मदद ली। पांचवां प्रयास था इसलिए रिवीजन पर पूरा ध्यान केंद्रित किया। लवि से पीएच.डी कर रही हूं। यूजीसी नेट भी पास कर चुकी हूं। -सौम्या मिश्रा

पापा और भाई का सहयोग मिला

पिता राम गोपाल के साथ रेखा

त्रिवेणी नगर तृतीय में रहती हूं। पापा राम गोपाल गुप्ता पीडब्ल्यूडी से दफ्तरी के पद से सेवानिवृत्त हैं। जब बी.एससी में आई तो बड़े भाई डा. मनोज कुमार गुप्ता ने मुझे सांख्यिकी सेवा में जाने के लिए सुझाव दिया। फिर मैंने महिला कालेज से इस विषय के साथ बी.एससी किया। लवि से एम.एससी के साथ परीक्षा की तैयारी शुरू की। असफलता के बाद भी लगी रही। एक बार कोचिंग की मदद भी ली। फिर सेल्फ स्टडी की। आंसर राइटिंग पर फोकस किया। रेखा गुप्ता

पिता सुरेश व मां ममता के साथ अंकित

मेरी सफलता ने बढ़ाया पापा का मान

मेरे पापा सुरेश यादव लवि में सुरक्षा प्रहरी हैं। उन्होंने कभी मुझ पर दबाव नहीं डाला। हमेशा मेरा सहयोग किया। 12वीं के बाद से तैयारी शुरू की। 2019 में लवि से बी.एससी करने के बाद एनआइटी त्रिचतपुरम में परीक्षा के माध्यम से एम.एससी कम्प्यूटर साइंस से पढ़ाई का मौका मिला, लेकिन मेरी रुचि सांख्यिकी सेवा में जाने की थी। इसलिए लवि से एम.एमएसी किया। साथ में परीक्षा की तैयारी शुरू की। सेल्फ स्टडी पर जोर दिया। एमएसीयू के पेपर का खूब अभ्यास किया। लिखित पेपर के लिए समय प्रबंधन काम आया। -अंकित यादव

जाह्नवी पटेल को द्वितीय रैंक

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की छात्रा जाह्नवी पटेल ने भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा में द्वितीय रैंक हासिल की है। सांख्यिकी विभाग के एम.एससी 2018-20 बैच की छात्रा जाह्नवी अपने प्रयास में सफल रही हैं। भारतीय सांख्यिकी सेवा की परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से की जाती है। कुलपति प्रो. संजय सिंह ने छात्रा को बधाई दी है। - जाह्नवी पटेल

अपने संविधान में बहुत कुछ खास और दिलचस्प है...

जासं, लखनऊ : भारत का गणतंत्र 26 जनवरी। वर्ष 1950 में इसी दिन भारतीय संविधान लागू हुआ था। जिस संविधान को 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने अपनाया था उस संविधान की मूल प्रति देखना भी दिलचस्प है। लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर लाइब्रेरी में संविधान की मूल प्रति को देख सकते हैं। इसमें संविधान की पूरी आत्मा की झलक भी है। हालांकि भारतीय संविधान की मूल प्रति भारतीय संसद की लाइब्रेरी में हीलियम से भरे केस में संरक्षित है। उस मूल प्रति की एक फोटो प्रति लखनऊ विश्वविद्यालय में भी है। इस प्रति को देखकर संविधान की लिखावट व उसके चित्रों से स्वरूप को महसूस किया जा सकता है।

संविधान सभा के सदस्यों के वास्तविक हस्ताक्षर को देखना है तो इस प्रति में देख सकते हैं। संविधान की प्रति हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में हाथ से लिखी गई है। विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी में रखी गई मूलप्रति की फोटो प्रति अंग्रेजी में लिखी गई है। इसे प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने लिखा है। पेन होल्डर निब से संविधान के हर पन्ने को इटैलिक में लिखा गया है। जिस संविधान को बनाने में दो साल 11 माह और 18 दिन लगे थे। उस संविधान को कागज पर लिखने में छह माह लगे थे।

विश्वविद्यालय में रखे संविधान की प्रति में प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बोस और विश्व भारती शांति निकेतन के कलाकारों की बनाई तस्वीरों को देख सकते हैं। इसमें रामायण के भी चित्र हैं, मोहनजोदड़ों, वैदिक काल, महाभारत, गौतम बुद्ध के उपदेश, महावीर के जीवन, मौर्य युग, मुगल काल और हिमालय से लेकर सागर तक के चित्र हैं। महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस के चित्र भी हैं।

10 पेज पर हस्ताक्षर : संविधान की मूल प्रति में 10 पेज पर 284 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। 24 जनवरी 1950 को सभी ने इस पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें 46 लोगों के हस्ताक्षर हिंदी में है। पहला हस्ताक्षर तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद का है। संविधान लिखने के लिए रायजादा ने कोई पारिश्रमिक नहीं लिया था, सिर्फ हर पेज पर नाम लिखने की शर्त रखी थी। जो संविधान की मूल प्रति में देखा जा सकता है।

पीजी डिप्लोमा की परीक्षाएं जनवरी 29 से

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से पीजी डिप्लोमा इन रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 व 31 जनवरी को होंगी। वहीं, पीजी डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 जनवरी से एक फरवरी तक संचालित होंगी। इसका विस्तृत कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर जारी किया है।

छूटे विद्यार्थियों की परीक्षाएं आज : लवि बी.ए/बी.एससी गणित पांचवें सेमेस्टर के छूटे हुए छात्र-छात्राओं की मौखिक परीक्षा 27 जनवरी को कराएगा। इसके लिए विद्यार्थियों को दोपहर दो बजे कमरा नंबर एस-300 में पहुंचना होगा। विभाग की ओर से इसकी सूचना वेबसाइट पर जारी की गई है।

डा. कल्पना व निकिता के शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के एप्लाइड जूलाजी की एसोसिएट प्रोफेसर डा. कल्पना सिंह और निकिता कटियार के शोध पत्र पेरिस में 20 से 22 जून को होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए स्वीकार किए गए हैं।

पारंपरिक चिकित्सा, एथनोमेडिसिन और प्राकृतिक चिकित्सा विषय पर पर होने वाले इस सम्मेलन में अपना शोध प्रस्तुत करेंगी। डा. कल्पना का पेपर 'युवा महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य मापदंडों पर राग भैरवी का प्रभाव', प्राचीन राग चिकित्सा को आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के साथ जोड़ते हुए भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रभावकारिता और सुरक्षा पर आधारित है। निकिता का शोध कार्य 'ठंडे तनाव वाले चूहों की स्थानिक स्मृति पर भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रभाव', पारंपरिक संगीत ज्ञान व आधुनिक तनाव संबंधी बीमारियों को एकीकृत करने पर केंद्रित है।

आवेदन 30 तक

डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय में अतिथि व्याख्या के चयन के लिए 30 जनवरी तक आवेदन किए जा सकते हैं। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट http://dsmru.up.nic.in पर उपलब्ध है।

PIONEER PAGE 4

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर एलयू के स्टॉल को मिला पहला पुरस्कार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर गुरुवार को निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में मतदान के लिए जागरूकता अभियान के अंतर्गत मतदाता जागरूकता प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी में लखनऊ विश्वविद्यालय एवं उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों सहित 14 संस्थानो द्वारा प्रदर्शनी स्टाल लगाए गए, जिनका निरीक्षण उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, संयुक्त निर्वाचन आयुक्त, जिलाधिकारी लखनऊ, डा मंजू सिंह राज्य संपर्क अधिकारी एनएनएसए और डा अमरेंद्र कुमार, कार्यक्रम समन्वयक लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उक्त मतदाता जागरूकता प्रदर्शनी में लखनऊ विश्वविद्यालय के स्टाल को प्रथम, अटल बिहारी वाजपेई नगर निगम डिग्री कालेज लखनऊ के स्टाल को द्वितीय पुरस्कार मिला। समारोह में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा मतदान जागरूकता से संबंधित रंगोली, सजीव चित्रण एवं मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। रंगोली प्रतियोगिता में आईटी महाविद्यालय को द्वितीय तथा इस्लामिया महाविद्यालय को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस समारोह के विभिन्न प्रतियोगिताओं में लखनऊ के अन्य महाविद्यालयों ने भी उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

नव मतदाताओं से संवाद का सजीव प्रसारण: 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री के संबोधन एवं उनके नव मतदाताओं से संवाद कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को लखनऊ विश्वविद्यालय एवं उससे संबद्ध महाविद्यालयों में अनिवार्य रूप से नव मतदाताओं, छात्र-छात्राओं एवं एनएसएस स्वयंसेवकों और शिक्षकों की अपार उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय व इससे सम्बद्ध जिलों यथा लखनऊ सीतापुर हरदोई रायबरेली और लखीमपुर खीरी के महाविद्यालयों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। छात्र-छात्राओं ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन को उत्साह पूर्वक सुना। माननीय प्रधानमंत्री जी ने संबोधन के दौरान युवाओं को संबोधित करते हुए उन्हें देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिए प्रोत्साहित किया एवं बधाई दी।

एलयू की डॉ. कल्पना सिंह एवं निकिता कटियार के शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय पेरिस सम्मेलन में स्वीकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग, एप्लाइड जूलॉजी और बायो.म्यूजिकोलॉजी रिसर्च प्रयोगशाला से एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कल्पना सिंह और निकिता कटियार पेरिस में 20 से 22 जून 2024 में होने जा रही पारंपरिक चिकित्सा, एथनोमेडिसिन और प्राकृतिक चिकित्सा पर आगामी छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध प्रस्तुत करने के लिए तैयार हैं। डॉ. कल्पना सिंह का पेपर, युवा महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य मापदंडों पर राग भैरवी का प्रभाव, प्राचीन राग चिकित्सा को आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के साथ जोड़ते हुएए भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रभावकारिता और सुरक्षा की पड़ताल करता है। निकिता कटियार का काम, ठंडे तनाव वाले चूहों की स्थानिक स्मृति पर भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रभाव, पारंपरिक संगीत ज्ञान और आधुनिक तनाव संबंधी बीमारियों को एकीकृत करने पर केंद्रित है।सम्मेलन, वैकल्पिक चिकित्सा चर्चाओं का एक वैश्विक केंद्र है, उनकी स्वीकृति मुख्